



04 - आतंक के खिलाफ
भारत की निर्णायक घोट



05 - पर्यटकों को लगाते
अनोखे पेड़

A Daily News Magazine

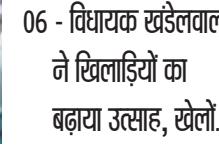
मोपाल

शनिवार, 10 मई, 2025



मोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

र्ग 22, अंक 240, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रु. 2



06 - विधायक खड़ेलाल
ने खिलाड़ियों का
बढ़ाया उत्साह, खेलों...



07 - जगन सीमा पर,
किसान खेत में और
कृषि मंत्रालय में

खड़े

खड़े

प्रसंगवर्ण

पाकिस्तान इस तरह आतंक की पनाहगाह कैसे बना?

आ

खिर पाकिस्तान आतंकवाद का गढ़ कैसे बना? इस विश्लेषण में जानिए आईएसआई की भूमिका, धार्मिक कक्षता और वैश्विक राजनीति ने किस तरह पाकिस्तान को चम्पावंथ की शरणग्राही बना दिया। और पाकिस्तान, कपी एक ही पिछ्की के हिस्से, आज़ादी की भूमि में दो अलग-अलग गासों पर चल पड़े। भारत ने लोकतंत्र, सेक्युरिटी और तक्की को चुना, तो पाकिस्तान आतंक की आग में झूलता गया। सबाल यह है कि अधिक वह आधुनिक, सभ्य राष्ट्र बनने के बजाय आतंक का आकांक्षा कैसे बन गया?

इसका जबाब इतिहास, सियासत और उस गठजोड़ में छिपा है, जिसने पाकिस्तान को इस दलदल में धकेला।

2009 में आतंक के पूर्व शरणग्राहीय जनरल दीपक कपूर ने खुलासा किया था कि पाकिस्तान में 43 आतंकी अड़े सक्रिय हैं। ये अड़े पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा, पीओके, पंजाब और खैबर पठान्नज़ा एंजेसी आईएसआई, हाथियार, प्रशिक्षण और फटिंग देते हैं। लश्कर-ए-तैबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन और देरेजिस्टर्स फंड जैसे संगठन भारत विरोधी हिंसा के लिए कुख्यात हैं। ये संगठन 2008 के मुंबई हमले, 2019 के पुलवामा हमले और 2025 के पहलगाम हमले जैसे जघन्य कृत्यों के लिए जिम्मेदार हैं।

पाकिस्तान का आतंक से रिश्ता सिर्फ़ भारत तक

सीमित नहीं। 2011 में अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन का एबटाबाद में मारा जाना इसका सबूत है। उसका टिकाना पाकिस्तानी सैन्य अकादमी से महज एक किलोमीटर दूर था। 'ऑपरेशन नेच्यून स्प्रीर' ने पाकिस्तान के दोहरे चरित्र को उजागर किया। 9/11 के बाद अमेरिका ने उसे आतंक के खिलाफ़ युद्ध में सहयोगी माना, लेकिन उसने तालिबान और अन्य आतंकी समूहों को पनाह दी।

अंतरराष्ट्रीय समूदाय की चेतावनी: पाकिस्तान को आतंक का सम्बन्धीय मानने वाला भारत अकेला नहीं। संयुक्त राष्ट्र ने 2008 में लश्कर-ए-तैबा और जमात-उद्दीदा को आतंकी संगठन घोषित किया। 2017 में हाफिज सईद और 2018 में मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी करार दिया गया। फाइंशनल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) ने 2018-2022 तक पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में रखा, व्योंगिक वह आतंकी फैटिंग रोकने में नाकाम रहा। 2025 में पहलगाम हमले के बाद भारत ने एक से पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डालने की माँग की। FATF की ग्रे लिस्ट ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के चरमरा दिया, 2023 में उसकी जीडीपी वृद्धि स्तर के रिकार्ड थी।

हाफिज सईद को 32 साल की सजा और आतंकी संगठनों की संपत्तियां जब्त करने जैसी दिखावटी कार्रवाईयों के बाद उसे आईएसएफ से कर्ज मिला और 2025 में उसकी जीडीपी वृद्धि 3 तक पहुँची। पाकिस्तानी नेताओं का कबूलनामा: पाकिस्तान के शीर्ष नेताओं ने भी आतंक से अपने रिश्ते को

स्वीकार किया है। 25 अप्रैल 2025 को रक्षा मंत्री खाजा गोहम्मद असिफ ने स्काई न्यूज़ को बताया, 'पाकिस्तान पिछले तीन दशकों से आतंकी समूहों का सम्बन्धीय करार रहा है। यह गलती थी।' 2 मई को बिलावल भुजे जबादों को खालिया जाता है। दूसरी ओर, भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त पहचान बनाई। पाकिस्तान चाहता तो भारत के साथ स्वास्थ्य प्रतिस्पर्धा कर सकता था, लेकिन नफरत की बुनियाद पर बना उसका सपना बबूल का पेड़ ही दे सकता।

भारत विरोध की सनक: पाकिस्तान की भारत विरोधी नीति की जड़ें 1947 के बैंटवारे में हैं। जिनके द्विराष्ट्र सिद्धांत ने नफरत की नीव रखी। भारत और पाकिस्तान के पास तक्की का समान मौका था, लेकिन जहाँ भारत ने लोकतंत्र और सेक्युरिटी चुना, वहाँ पाकिस्तान भारत को नुकसान पहुँचाने की सनक में डब गया। चार युद्ध-48, 1965, 1971 और 1999 इसकी गवाही देते हैं। 1971 की हार ने पाकिस्तान को सबसे बड़ा झटका दिया। इसके बाद ISI ने प्रैंकिंसी वॉर शुरू की, जिसका नीतीजा कश्मीरी उत्तरावाद है।

1971 के बाद जनरल जिया उल हक ने "Bleed India with a Thousand Cuts" की नीति अपनाई। इसका मकसद आतंकवाद और घुसपैठ से भारत को अस्पर करना था। जिया ने पाकिस्तान का उप्र इस्लामीकरण किया, जिसने आतंकियों को वैचारिक आधार दिया। आज के आतंकी हमले इसी नीति का नीतीजा हैं। लेकिन इसने पाकिस्तान को बदलामी और मुख्य-पिलिंग गठजोड़ की गुलामी दी।

पाकिस्तान को क्या मिला?: 78 सालों में पाकिस्तान ने 31 साल सैन्य तानाशहों के अधीन बिताए। लोकतंत्र कमज़ोर रहा, जर्मीदारी और धार्मिक नेताओं का दबदबा कामय है। गरीब जनता को भारत विरोध करार रहा है। यह गलती थी। 2 मई को बिलावल भुजे जबादों को खालिया जाता है। दूसरी ओर, भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त पहचान बनाई। पाकिस्तान चाहता तो भारत के साथ स्वास्थ्य प्रतिस्पर्धा कर सकता था, लेकिन नफरत की बुनियाद पर बना उसका सपना बबूल का पेड़ ही दे सकता।

आंपरेशन सिंदूर का सबक: 7 मई 2025 को विंग कमांडर व्योमिक मिशन और कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। उनकी मौजूदी ने पाकिस्तान के नापाक द्वारा इरादों को उजागर किया। यह तस्वीर बताती है कि हिंदू और मुसलमान न सिर्फ़ साथ रह सकते हैं, बल्कि देश के लिए एक साथ जान भी दे सकते हैं।

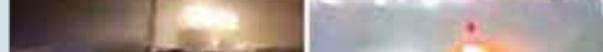
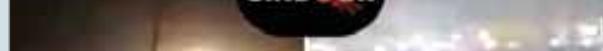
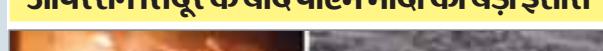
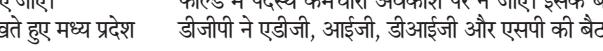
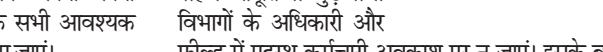
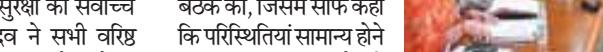
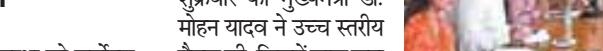
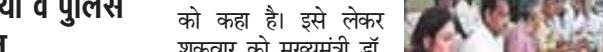
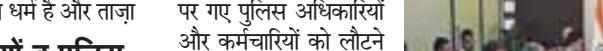
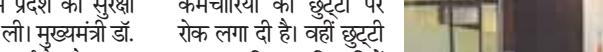
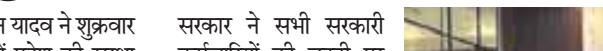
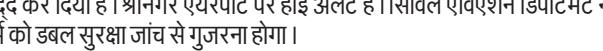
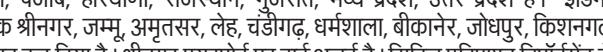
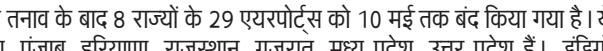
पाकिस्तान के पास मौका था कि वह तक्की और तहजीब की मिसाल बना। लेकिन उसने नफरत की राह चुनी। आज बलचिस्तान अलग होने को मचल रहा है, और जिया के द्विराष्ट्र सिद्धांत वॉल्मार्डों को खालिया दिया। यह तस्वीर बताती है कि वह अब भी सबक लेगा, या नफरत की आग में और ज़ुलसेगा?

(सत्य हिंदी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

चंडीगढ़
और
अंबाला में

हवाई हमले की वार्ता

● ऑपरेशन सिंदूर के बीच सेना प्रमुख को मिली एक्स्ट्रा 'पॉवर' ● देश के सभी राज्यों को इमरजेंसी पार्वर्स के इस्तेमाल का आदेश



निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा करें, समयसीमा में करें कार्यपूर्ण: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

रीवा एवं शहडोल संभाग में एमपीआरडीसी के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

भोपाल (नप्र) | उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने भोपाल में रीवा एवं शहडोल संभाग में एमपीआरडीसी के विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की गृहन समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गणकात्मक पूर्ण हो से निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रगतिरत कार्यों की नियमित समीक्षा अनिवार्य है, ताकि किसी प्रकार की बाधा समय रहते दूर की जा सके। साथ ही, पूर्ण हो चुके कार्यों की समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए, जिससे कार्यों की गति बढ़ने रहे और बजट का प्रभावी उपयोग संभव हो सके।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सीधी-सिंचारी पोरालन मार्ग के शेष भाग का कार्य शीर्ष प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह मार्ग अल्पिक व्यस्त रहता है, इसके साथ ही उन्होंने एडीबी (एशियन डेवलपमेंट बैंक) द्वारा वित्तीय रीवा-बैंडा-सेमरिया मार्ग के शेष



लगभग 1 किमी मार्ग (बैंक हाई रोड से मर्डी तक) को शेष पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह मार्ग अल्पिक व्यस्त रहता है, इसके शीर्ष निर्माण से स्थानीय नागरिकों को बड़ी राहत प्रदान की जाएगी।

लगभग 1 किमी मार्ग (बैंक हाई रोड से मर्डी तक) को शेष पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह मार्ग अल्पिक व्यस्त रहता है, इसके शीर्ष निर्माण से स्थानीय नागरिकों को बड़ी राहत प्रदान की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने उमरिया से शहडोल तक दू-लेन मार्ग के उत्तर कार्य की समीक्षा की। बताया गया कि यह कार्य 93 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और शेष कार्य प्रगतिरत है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य जून माह के अंत तक हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए। रीवा बाधापास फोरलेन मार्ग यांत्रियोंजना का 14 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। इसमें 4 मध्यम पुलों में से 2, 39 बालू कर्पर में से 1 तथा आवश्यक 5 बीयाँ (वर्टिकल अंडर पास) में से 2 का कार्य प्रगतिरत है। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि कार्यों की सतत निगरानी की जाए और तय समयसीमा में गणवक्ता के साथ कार्यों को पूरा किया जाए। बैंक में एमपीआरडीसी श्री भरत यादव सहित संवादित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान खेत-तालाब के निर्माण में सीहोर ने पेश की मिसाल

भोपाल (नप्र) | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में वारिस के पानी का संचयन करने और पुनर्नेतृत्व स्थोरों को जागरूक किया गया। खेत-तालाब का महत्व वारिस के समझा और खेत-तालाब को बनवाने में रुचि दिखायी पिट, अमन सेवेर सहित अन्य निर्माण कार्यों के लिए जारी रहे। सीहोर जिले ने बड़े पैमाने पर खेत-तालाब बनाने की मिसाल पेश की है। इस वर्ष 2025 में 687 से अधिक खेत तालाब प्रारंभ हो चुके हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सीहोर जिले में लगभग 1670 खेत-तालाब के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें 687 पर कार्य प्रारंभ हो गया है। इसी दिवसी 2600 कूप रिचार्ज पिट का निर्माण किया जाना है। निर्धारित लक्ष्य के बिन्दु द्वारा प्रशासन द्वारा 2250 कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसमें से 1440 पर कार्य भी प्रारंभ हो गया है। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिलों में चल रहे कार्यों की मध्यवर्ती राज्य रोजार गारंटी प्रदान किया गया है।

किसानों ने भी दिखाई दी रुचि, जिला प्रशासन की मेहनत लाई रुचि में होगा। यांत्रिक अभियान के लिए जारी रहे गांव में खेत-तालाब बनने से खुशी जारी है। अब गांव में खेत-तालाब बनाने से अधिक खेत-तालाब बनाए जा चुके हैं और 5 प्रगतिरत है।

ऑटोचालक ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

शराब के नशे में उठाया कदम

पुलिस ने शुरू की जांच

भोपाल (नप्र) | भोपाल के रातोड़ी इलाके में शुक्रवार के नशे में एक ऑटोचालक ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। वह देर रात शराब पीकर घर लौटा था। पुलिस ने मामले में मर्म कार्यम एवं जांच शुरू कर दी है। पीपुल के बाद शराब परियोंजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस के मूलायिक पूर्ण कमल सिंह (35) ऑटो चालक था। वह शराब पीने का आदि था। विवाद के चलते उसकी पत्नी अपने बच्चों के लिए उससे अलग निशातपूर में रहती है और जांबूली रहती है। गुरुवार रात इलाज के दौरान उसकी नहीं पारहोना हो रही है। पुरुषों के बाद शराब पीने का आदि था। विवाद के नशे में घर पहुंचा था। शुक्रवार तइक सुबह परियोंजनों ने शब को फैसले के फैल पर लटका हुआ देखा और पुलिस को सुचना दी। पुलिस ने शब को कब्जे में लेकर पीपुल के लिए रखना किया।

फाईरेंस ऑटो की इस्टाइलमेंट को लेकर भी पीपुल ने रहता था—जांच में रहा क्या आया कि उसने किसीं पर अंटो ले रखा था, और लोगों से कर्ज भी लेकर रखा था। किसीको किस भी कानूनी पारहोना देने से वह परेशन था। पुरुषों का अनुबान है कि डिप्रेसन में आकर उसने अत्महत्या की है।

इंटर्व्हेंडो में युवक ने जहांगीरा बाद प्रदर्शन करने के लिए एक ऑटो बाद प्रदर्शन करता था। गुरुवार रात को घर में रहते हुए सिंचारी एवं उत्तरांशील बैंडों में रहता था। शुक्रवार रात को घर में जहांगीरा प्रदर्शन करता था। जिसका अंत बैंक द्वारा देख परियोंजन उत्तरांशील लेकर पहुंचे। जहांगीरा देर रात इलाज के दौरान उसकी पीठ हो गई। संजय अविवाहित था, सुसाइड नोट नहीं मिलने से खुदकुशी के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

मुख्यमंत्री ने वीर राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी पुण्य स्मरण

भोपाल (नप्र) | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अद्यय प्रासाद एवं स्वाधिमान के प्रतीक वीर राजीव मिशन की जयंती पर उनका पुण्य स्मरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को घर में जहांगीरा प्रदर्शन करता था। राजीव प्रदर्शन के शोरों और देशभक्ति को नमन करते हुए कार्य का मानवभूमि की स्वतंत्रता, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए समर्पित महाराणा का जीवन प्रत्येक भारतीय युवा को राष्ट्रीय निर्माण में सर्वोच्च योगदान के लिए प्रोत्तेवत किया जाता है।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंती पर कार्यपाणी के लिए जारी रही।

गुरुवार रात राजीव मिशन की जयंत



मध्यप्रदेश में बढ़ेगी समृद्धि की जलधारा



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेशदेवेन्द्र फडणवीस
मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

'तापी बेसिन में रीचार्ज परियोजना' मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र सरकार के मध्य एमओयू

मुख्य अतिथि

देवेन्द्र फडणवीस

मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

10 मई, 2025 | अपराह्न 3:00 बजे | मिंटो हॉल, भोपाल

मध्यप्रदेश के 1 लाख से अधिक हेक्टेयर
क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का होगा विस्तारयह परियोजना मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र सरकार की संयुक्त
भू-जल पुनर्मरण की परियोजना है, इससे लाभान्वित होने
वाले जिलों में कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी।सिंचाई सुविधा के साथ पेयजल और
उद्योगों के लिए जल आपूर्ति'तापी बेसिन में रीचार्ज परियोजना' से भविष्य में
जल की आवश्यकता की पूर्ति सुनिश्चित करने में
सहायता मिलेगी।

लाभान्वित जिले

खंडवा जिले की खालवा तहसील एवं
बुरहानपुर जिले में नेपानगर, खकनार
और बुरहानपुर तहसीलें लाभान्वित होंगी।